

प्रेषक,

देवन्द्र पालीवाल,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कृषि निदेशक,
उत्तराखण्ड।

कृषि एवं विपणन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 18 अक्टूबर, 2012

विषय— राज्यों के प्रसार कार्यक्रमों की विस्तार की योजना के अन्तर्गत 10 प्रतिशत राज्यांश की धनराशि अवमुक्त विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—कृ०नि०/३८०७/लेखा—बजट/आतमा/2012-13/दिनांक 20 सितम्बर, 2012 एवं शासनादेश सं० ८८९/XIII-1/2012-5(42)2005 दिनांक 31 अगस्त, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राज्यों के प्रसार कार्यक्रमों की विस्तार योजना (90 प्रतिशत के०सा०) योजनान्तर्गत गत वर्ष 2011-12 में भारत सरकार द्वारा केन्द्रांश के रूप में ₹463.085 लाख की धनराशि सीधे राज्य स्तर पर खोले गये एस०एफ०ए०सी० खाते में उपलब्ध कराये जाने एवं तत्समय राज्यांश की 10 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त न हो पाने के कारण चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में राज्यांश की धनराशि ₹51.45 लाख (₹इक्यावन लाख पैंतालीस हजार मात्र) निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखने एवं उक्त धनराशि का अग्रिम आहरण कर उत्तराखण्ड स्माल फारम्स एंग्री बिज़नेस कन्सोरटियम (SFAC) को हस्तान्तरित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन के वर्तमान आदेशों/निर्देशों, वित्तीय हस्तापुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज नियमों/प्रोक्योरमेंट नियमावली-2008 में निहित प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन सुनिश्चित किया जाय तथा जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। प्रशासनिक व्यय में मितव्ययता संबंधी जारी आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

3. उक्त योजना के कार्यक्रमों का सम्पादन भारत सरकार की गाइड लाईन्स के अनुसार किया जाय।

4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर एवं दिनांक के आधार पर व्यय विवरण मात्र बी०एम०-८ पर आहरण वितरण अधिकारी ठीक पूर्व माह की सूचना 10 तारीख तक विभागाध्यक्ष को तथा प्रपत्र बी०एम०-१३ पर 20 तारीख तक विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी।

5. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-17 के लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-००-आयोजनागत-८००-अन्य योजनाएँ-०१-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रपुरोनिधानित योजनाएँ-०३-राज्यों के प्रसार कार्यक्रमों की विस्तार योजना (90 प्रतिशत केन्द्र पोषित) के मानक मद 42-अन्य व्यय मानक मद के नामे डाला जायेगा।

6-यह आदेश वित्त विभाग के शा०सं०-१८३/XXVII(1)/2012 दिनांक 28 मार्च, 2012 में विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से संलग्न विशिष्ट अलोटमेन्ट आई०डी० नं०-S1210170139 दिनांक 18 अक्टूबर, 2012 एवं वित्त विभाग के अ०शा०प०-१४(P)/वित्त अनुभाग-४/2012, दिनांक 17 अक्टूबर, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

✓

भवदीय,

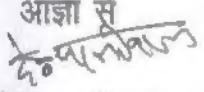
(देवन्द्र पालीवाल)
उपसचिव

संख्या: 1054/XIII-1/2012-5(42)2005 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, आडिट, इन्ड्रानगर, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायू मण्डल, नैनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. अपर कृषि निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/संयुक्त कृषि निदेशक, कुमायू मण्डल, हल्द्वानी।
7. समस्त मुख्य कृषि अधिकारी/आहरण वितरण अधिकारी, कृषि विभाग, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
9. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड पत्रावली।

(

आज्ञा से

(देवेन्द्र पालीवाल)
उपसचिव